SOCIAL STUDIES

Class 10th

(HISTORY)

Chapter 1: यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए ?
(क) ज्युसेपे मेत्सिनी
(ख) काउंट कैमिलो दे कावूर
(ग) यूनानी स्वतंत्रता युद्ध
(घ) फ्रैंकफर्ट ससंद
(ड) राष्ट्रवादी संघर्षो में महिलाओ की भूमिका

उत्तर:- **(क) ज्युसेपे मेत्सिनी :-**

1. ज्युसेपे मेत्सिनी इटली का एक क्रांतिकारी था।
2. उन्होने उदारवादी राष्ट्रवाद का प्रचार किया।
3. उसने यंग इटली संगठन की स्थापना की।
4. उन्होंने इटली के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ख) काउंट कैमिलो दे कावूर :

1. इटली के एकीकरण का श्रेय कावूर को दिया जाता है।
2. कावूर को विक्टर इमेनुएल द्वितीय ने सार्डनिया का प्रधानमंत्री बना दिया।
3. यह न तो क्रांतिकारी था और न ही जनतंत्र में विश्वास करता था।
4. उसने इटली के प्रदेशो को एकीकृत करने वाले आन्दोलन का नेतृत्व किया।
5. कावूर की चतुर कूटनीति से उत्तरी राज्यों पर अधिकार करके इटली के एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

(ग) यूनानी स्वतंत्रता युद्ध :- 15वीं शताब्दी से ही यूनान ऑटोमन साम्राज्य के अधीन था। परन्तु 19वीं सदी तक राष्ट्रवाद की भावना पूरे यूरोप में फैल चुकी थी। सन् 1821 में यूनान में भी स्वतंत्रता के लिए संघर्ष प्रारंभ हुआ। इस संघर्ष में उन्हें यूरोप के लोगों का साथ मिला। यह संघर्ष बहुत दिनों तक चलता रहा और अंत में 1832 की कुस्तुनतुनिया की संधि के अनुसार यूनान को एक स्वतंत्र राष्ट्र की मान्यता दी गई।

(घ) फ्रैंकफर्ट ससंद : 1848 ई. में जर्मनी में राष्ट्रवाद की लहर शुरू हो गई। 18 मई,1848 को, 831 निर्वाचित प्रतिनिधियों ने एक जुलूस निकाला। उन्होंने फ्रैंकफर्ट में एक संसद आयोजित की। इसमें एक जर्मन राष्ट्र के लिए एक संविधान का प्रारूप तैयार किया। इस राष्ट्र की अध्यक्षता एक ऐसे राजा को सौंपी गई जिसे संसद के अधीन रहना था। जब प्रतिनिधियों ने प्रशा के राजा फ्रेडरीक विलियम चतुर्थ को ताज पहनाने की पेशकश की। लेकिन उसने इसे अस्वीकार कर दिया उन राजाओं का साथ दिया जो निर्वाचित सभा के विरोधी थे। उसके सैनिकों ने क्रांतिकारियों को कुचल दिया जिससे यह संसद भंग हो गई।

(ड) राष्ट्रवादी संघर्षों में महिलाओ की भूमिका : राष्ट्रवादी संघर्षो में महिलाओ ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। महिलाओं ने अलग से संगठन स्थापित किए। उन्होंने अपने अखबार शुरू किए। राजनीतिक बैठकों और प्रदर्शनियों में सक्रिय रूप से भाग लिया फिर भी उन्हें मताधिकार से वंचित रखा गया। यहाँ तक की सेंट पॉल चर्च में फ्रैंकफर्ट संसद की सभा में भी महिलाओ को केवल प्रेक्षक बनाकर दर्शक दीर्घा में खड़ा कर दिया।

प्रश्न 2. फ़्रांसीसी लोगों के बीच सामूहिक पहचान का भाव पैदा करने के लिए फ़्रांसीसी क्रांतिकारियो ने क्या कदम उठाए ?
उत्तर:- फ्रांसीसी लोगों के बीच सामूहिक पहचान का भाव पैदा करने के लिए क्रान्तिकारियों ने निम्नलिखित कदम उठाए।

(i) संयुक्त समुदाय के विचार को बल दिया गया।
(ii) फ्रांस का नया तिरंगा झंडा चुना गया।
(iii) नागरिकों द्वारा चुनी गई एक सभा का गठन किया जिसका नाम नेशनल एसेंबली रखा गया |
(iv) राष्ट्र के नाम पर नई शपथें ली गई और शहीदों का गुणगान किया गया।
(v) एक केन्द्रीय प्रशासनिक व्यवस्था लागू की गई।
(vi) सभी नागरिकों के लिए समान कानून बनाए गए।
(vii) आंतरिक आयत-निर्यात शुल्क समाप्त कर दिए गए।
(viii) पूरे फ्रांस में नापतोल की एक जैसी प्रणाली लागू की गई।
(ix) फ्रेंच भाषा को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिया गया।

प्रश्न 3. मारीआन और जर्मेनिया कौन थे ? जिस तरह उन्हें चित्रित किया गया उनका क्या महत्व था ?

उत्तर :-**मारीआन**:-मारीआन फ्रांस का राष्ट्र का प्रतीक था। यह एक लोकप्रिय ईसाई नाम था। इसलिए फ्रांस में स्वतंत्रता के प्रतीक को यही नाम दिया गया। इस छवि को लाल टोपी, तिरंगा और कलगी के साथ दिखाया है।
जर्मेनिया:- यह जर्मन राष्ट्र की नारी रूपक थी। यह बलूत वृक्ष के पत्तों को मुकुट पहनती है। जर्मेनिया की छवि हाथ में तलवार लिए हुए राइन नदी पर पहरा दे रही है। जर्मेनिया गुणों से युक्त राष्ट्रीयता व देशभक्ति का प्रतीक है।

इनका निम्नलिखित महत्त्व था:
(i) स्वतंत्रता, न्याय और गणतंत्र जैसे विचारों को व्यक्त करने के लिए नारी प्रतीकों का सहारा लिया।
(ii)इन प्रतिमाओं को सार्वजनिक चौकों पर लगाया गया ताकि जनता को एकता के राष्ट्रीय प्रतीक की याद आती रहे।
(iii) इसी प्रकार की छवि राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बन गई।

प्रश्न 4. जर्मन एकीकरण कि प्रक्रिया का संक्षेप में पता लगाइए ?

उत्तर:- **(i) पहला चरण**:-1848 ई. में जर्मनी में राष्ट्रवाद की लहर शुरू हो गई। 18 मई,1848 को, 831 निर्वाचित प्रतिनिधियों ने एक जुलूस निकाला। उन्होंने फ्रैंकफर्ट में एक संसद आयोजित की। इसमें एक जर्मन राष्ट्र के लिए एक संविधान का प्रारूप तैयार किया। इस राष्ट्र की अध्यक्षता एक ऐसे राजा को सौंपी गई जिसे संसद के अधीन रहना था। जब प्रतिनिधियों ने प्रशा के राजा फ्रेडरीक विलियम चतुर्थ को ताज पहनाने की पेशकश की। लेकिन सम्राट ने आस्ट्रिया के डर से इसे अस्वीकार कर दिया। उसके सैनिकों ने क्रांतिकारियों को कुचल दिया।
(ii)दूसरा चरण:- क्रांति की असफलता के बाद जर्मनी का एकीकरण सैन्य शक्ति और कूटनीति से शुरू हुआ जिसका नेतृत्व बिस्मार्क ने किया। बिस्मार्क ने 'रक्त और लौह' की नीति के अंतर्गत डेनमार्क के साथ तीन युद्ध किया और शैल्सविग का क्षेत्र जीत लिया।
(iii)तीसरा चरण:-उसके बाद 1866 में आस्ट्रिया के साथ युद्ध हुआ। इस युद्ध में जीत के बाद बहुत सारे प्रदेश जर्मनी में मिल गए।
(iv)चौथा चरण:- तीसरा युद्ध फ्रांस के साथ 1870 में हुआ जिसमे फ्रांस की पराजय हुई। इस प्रकार जर्मनी का एकीकरण हुआ और प्रशिया के विलियम प्रथम को जर्मनी का सम्राट बना दिया गया।

प्रश्न 5.अपने शासन वाले क्षेत्रों में शासन व्यवस्था को ज्यादा कुशल बनाने के लिए नेपोलियन ने क्या बदलाव किए?

उत्तर :- अपने शासन वाले क्षेत्रों में शासन व्यवस्था को ज्यादा कुशल बनाने के लिए नेपोलियन ने बहुत बदलाव किए जिन्हें 1804 का सिविल कोड के नाम से जाना जाता है।
(i) जन्म के आधार पर प्राप्त विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया।

(ii) कानून के सामने सभी बराबर थे।
(iii) संपत्ति के अधिकार को सुरक्षित बनाया गया।
(iv) सामंती व्यवस्था को समाप्त किया गया।
(v) किसानों के सारे टैक्स समाप्त कर दिए।
(vi)शहरों में कारीगरों की श्रेणीं-संघो के नियंत्रण को हटा दिया गया।
(vii) यातायात और संचार व्यवस्थाओं में सुधार किया गया।
(viii)आर्थिक सुधार करने के उद्देश्य से बैंक ऑफ फ्रांस की स्थापना की गई।
(ix)समान कर प्रणाली लागू की गई।
(x)देशभक्तों को सम्मानित किया गया।
(xi)उसने दंड के कानून को कठोर बनाया।
(xii)शिक्षा की उन्नति के लिए यूनिर्वसिटी ऑफ फ्रांस की स्थापना की।
(xiii)कैथोलिक धर्म को राजधर्म बनाया।

चर्चा करें

प्रश्न 1. उदारवादियों की 1848 की क्रांति का क्या अर्थ लगाया जाता है? उदारवादियों ने किन राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक विचारों को बढ़ावा दिया?
उत्तर: उदारवादियों द्वारा की गई फ़रवरी 1848 की क्रांति से फ्रांस के शासक लुई फिलिप को शासन छोड़कर भागना पड़ा। इस क्रांति के बाद राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक सुधारों को बल मिला।
राजनैतिक विकास
1. राजतंत्र का अंत करके गणतंत्र की घोषणा की गई।
2. सभी पुरुषों को मतदान का अधिकार मिला।
3. जनता द्वारा चुनी गई प्रतिनिधि सभाओं का निर्माण आरंभ हुआ।
4.प्रेस की स्वतंत्रता पर जोर दिया गया।
सामाजिक क्षेत्र में परिवर्तन
1.नारीवाद को बढ़ावा दिया जाने लगा।
2.मध्यम वर्ग की भागीदारी बढ़ने लगी।
3. महिलाएं अपने संगठन बनाने लगी थी।
4.कुलीन वर्ग की श्रेष्ठता कम होने लगी।
आर्थिक क्षेत्र में परिवर्तन
1.बंधूआ मजदूरी को समाप्त कर दिया गया।
2.बाजारों को राज्यों के नियंत्रण से मुक्त कर दिया।
3.शुल्क अवरोधों को समाप्त कर दिया गया।
4.मुद्राओं की संख्या दो कर दी जो पहले तीस से ज्यादा थी।

प्रश्न 2. यूरोप में राष्ट्रवाद के विकास में संस्कृति के योगदान को दर्शाने के लिए तीन उदाहरण दें।
उत्तर: यूरोप में राष्ट्रवाद के निर्माण में सांस्कृतिक विरासत का अहम योगदान रहा। इसके तीन उदाहरण निम्न है:-
(i) राष्ट्रवाद के निर्माण में रूमानी कलाकारों और कवियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। रूमानी कलाकारों और कवियों ने अंतर्दृष्टि और रहस्यवादी भावनाओ को राष्ट्र के जोड़ दिया।
(ii) राष्ट्रवाद के विकास में संगीत और भाषा का सहयोग मिला। पोलैंड इसका उदाहरण है। वहां संगीत और भाषा के द्वारा राष्ट्रीय भावना को विकसित रखा गया।
(iii)राष्ट्रीय भावना के विकास में संस्कृति के योगदान का तीसरा उदाहरण चित्रकारिता है। यूरोप के चित्रकारों द्वारा बनाए गए चित्र राष्ट्रवादी भावना को उभारने लगे।

MUKUTclasses

प्रश्न 3. किन्हीं दो देशों पर ध्यान केंद्रित करते हुए बताएँ कि उन्नीसवीं सदी में राष्ट्र किस प्रकार विकसित हुए।

उत्तर 19वीं शताब्दी में लगभग पूरे यूरोप में राष्ट्रवाद की भावना विकसित हो चुकी थी जिस कारण राष्ट्रीय राज्यों का उदय हुआ। इसके दो उदाहरण इटली और बेल्जियम है।

इटली:-इटली अनेक छोटे-छोटे राज्यों में बंटा हुआ था। इनमें सबसे शक्तिशाली सार्डीनिया का राज्य था। इसका प्रधानमंत्री कैवूर (Cavour) था। इटली में अनेक क्रान्तिकारी विद्रोह हुए जिनके फलस्वरूप वहाँ कुछ राजनीतिक सुधार हुए। परन्तु इटली की वास्तविक सफलता का श्रेय कैवूर को जाता है। कैवूर ने 1859 ई० में ऑस्ट्रिया के साथ युद्ध करके लोम्बार्डी पर अधिकार कर लिया और उसे सार्डीनिया में मिला लिया। इसके बाद 1860 ई० में टस्कनी, माडोना, पार्मा और उत्तर में स्थित पोप के राज्य अपने आप सार्डीनिया के साथ आ मिले। लगभग इसी समय (1860 ई० में ही) गैरीबाल्डी के प्रयासों से सिसली तथा नेपल्स के राज्य भी सार्डीनिया के साथ सम्मिलित हो गए। 1866 ई० में ऑस्ट्रिया-प्रशिया युद्ध में विस्मार्क का साथ देने पर वेनेशिया का प्रदेश सार्डीनिया को मिल गया। 1870 ई० फ्रांस-प्रशिया के युद्ध के समय फ्रांस द्वारा रोम खाली किए जाने पर सार्डीनिया ने रोम पर अधिकार कर लिया। इस प्रकार इटली राष्ट्र का निर्माण हुआ परन्तु इटली में एकीकरण के बाद राजतन्त्र की स्थापना हुई क्योंकि अभी वहाँ इसी की आवश्यकता अनुभव की गई।

बेल्जियम:-1815ई० की वियना संधि द्वारा बेल्जियम को हॉलैंड के साथ मिला दिया गया। परंतु बेल्जियम में कैथोलिक समर्थक थे और हॉलैंड में प्रोटेस्टेंट समर्थक। हॉलैंड का शासक भी हॉलैंडवासियों को बेल्जियम से श्रेष्ठ मानता था। उसने पूरे बेल्जियम में प्रोटेस्टेंट धर्म की शिक्षा देने की घोषणा कर दी। सभी राजनीतिक पद हॉलैंड वासियों को ही दे दिए। बेल्जियमवासियों ने इसका कड़ा विरोध किया। इंग्लैंड ने इस विद्रोह में उनका सहयोग किया। जिस कारण 1830 ई० में बेल्जियम को स्वतंत्र करना पड़ा। इसके बाद यहां इंग्लैंड जैसी कानून व्यवस्था कायम कर दी।

प्रश्न 4. ब्रिटेन में राष्ट्रवाद का इतिहास शेष यूरोप की तुलना में किस प्रकार भिन्न था?

उत्तर: (i) ब्रिटेन में राष्ट्र राज्य का निर्माण यूरोप के अन्य राष्ट्रों की तरह किसी क्रांति के कारण नहीं हुआ।
(ii) यह एक लंबी प्रक्रिया थी जिसमें राष्ट्रवाद की भावना विकसित हुई।
(iii)अठाहरवी सदी से पूर्व ब्रिटेन कोई राष्ट्र नहीं था। बल्कि अनेक नृजातीय समुह थे जिनकी अपनी सांस्कृतिक एवं राजनैतिक विरासत थी।
(iv) इनमें मुख्य समुह अंग्रेज, वेल्श, स्कॉट या आयरिश थे।
(v) कुछ समय बाद आंग्ल राष्ट्र अपनी धन-दौलत और सत्ता के बल पर अन्य द्वीप समूहों पर अपना प्रभाव स्थापित कर लिया।
(vi) धीरे-धीरे अंग्रेजों ने अन्य समुहों की सांस्कृतिक परंपराओं को समाप्त कर दिया और ग्रेट ब्रिटेन राष्ट्र का निर्माण हुआ जिसके अपने प्रतीक चिन्ह, ब्रितानी झंडा और राष्ट्र गान थे।

प्रश्न 5. बाल्कन प्रदेशों में राष्ट्रवादी तनाव क्यों पनपा ?

उत्तर: बाल्कन प्रदेशों में राष्ट्रवादी तनाव पनपने के निम्नलिखित कारण थे: -
(i)बाल्कन क्षेत्र में भौगोलिक और जातीय भिन्नता थी। इस क्षेत्र के निवासियों को आमतौर पर स्लाव पुकारा जाता था।
(ii)बाल्कन क्षेत्र का ज्यादातर हिस्सा ऑटोमन साम्राज्य के अधीन था ।
(iii)रूमानी राष्ट्रवाद के विचारों से यहां आजादी के संघर्ष होने लगे।
(iv)बाल्कन लोगों ने आज़ादी या राजनीतिक अधिकारों के लिए राष्ट्रीयता को आधार बनाया।
(v)विभिन्न राष्ट्रीय समूहों ने अपनी पहचान और स्वतंत्रता की परिभाषा तय करने की कोशिश की।
इस प्रकार यहां राष्ट्रवादी तनाव पनपने लगा।